T.D.C-'I'

Psy- IInd Paper

OBSESSIVE COMPULSIVE DISORDER. OR (O.C.D)

मनोग्रस्ति-मनोबाध्यता विकार -> दुश्चिन्ता विकार का एक प्रमुख प्रकार मनोग्रस्ति बाध्यता विकृति (OCD) है, जैसा नाम से स्पष्ट है कि इस विकृति के दो अभिन्न पहलू होते हैं- मनोग्रस्ति (Obsession) तथा बाध्यता (Compulsion) मनोग्रस्ति वे अरुचिकर एवं अवांछित विचार हैं जो व्यक्ति के प्रतिरोध के बावजूद भी उसके मन में बार-बार अनैच्छिक तरीके से आते रहते हैं, इसी भाँति बाध्यताएँ, वे व्यर्थ तथा अतार्किक शारीरिक क्रियाएँ हैं इन्हें बार-बार करने के लिए व्यक्ति, यह जानने के बाद भी की वे निरर्थक व अतार्किक हैं बाध्यता व विवशता का अनुभव करता है जैसे - बार-बार हाथ धोना. उपर्युक्त विवेचना के आधार पर कहा जा सकता है. कि OCD एक ऐसा मानसिक विकार है, जिसमें रोगी अपने विचारों तथा कार्यों की अतार्किकता तथा व्यर्थता को जानते हुए भी इन व्यर्थ एवं अतार्किक विचारों तथा कार्यों को छोड़ सकने में असमर्थ रहता है, यह रोगी विभिन्न व्यर्थ एवं अतार्किक विचारों से ग्रस्त तथा व्यर्थ एवं अतार्किक क्रियाओं को करने के लिए बाध्य होता है।

प्रायः मनोग्रस्ति एवं बाध्यता साथ साथ सक्रिय होते हैं, अर्थात मनोग्रस्तिजन्य विचार बाध्यता क्रियाओं की उत्पत्ति करते हैं तथापि करीब एक चौथाई रोगी केवल ग्रस्तता विचार की वजह से उत्पन्न हो यह आवश्यक नहीं.

OCD से पीड़ित रोगी को मानसिक कष्ट के साथ-साथ समय की भी काफी बर्बादी झेलनी पड़ती है. तथा इसमें उसके दिन-प्रतिदिन के जीवन के सामान्य कार्यों व्यावसायिक, शैक्षिक तथा सामाजिक कार्यों में भी पर्याप्त क्षति पहुँचती है।

OCD से पीड़ित रोगियों के नैदानिक विश्लेषणों के उपरान्त यह ज्ञात हुआ कि इसकी उत्पत्ति व विकास में निम्नलिखित कारकों की विशिष्ट भूमिका होती है -

1. जैविक कारण - Biological Causes
   (i) अनुवंशिक कारक - (Genetic Factor)
   (ii) मस्तिष्कीय असामान्यता एवं मस्तिष्कीय आघात

2. मनोवैज्ञानिक कारण - Psychological Causes
   (i)- मानसिक संघर्ष
   (ii)- स्थानापन्न क्रियायें
   (iii)- विभिन्न रक्षा प्रक्रमों का विफल परिणाम
   (iv)- हीनता एवं असुरक्षा की भावना
   (v)- नियमित दैनिक-चर्या एवं पुनरावृत्ति
   (vi)- व्यक्तित्व के विशिष्ट घटक

उपर्युक्त कारकों के अतिरिक्त कुछ अन्य कारक जैसे - त्रुटिपूर्ण अधिगम, अत्यधिक कठोर एवं त्रुटिपूर्ण समाजीकरण, विशिष्ट मनोघातज घटनाएँ, परिस्थियों का संज्ञानात्मक स्तर पर अति आकलन आदी की उपस्थिति भी OCD की उत्पति का मार्ग सहज रूप में प्रशस्त करती है।

मनोग्रस्ति वाध्यता विकार (OCD) से पीड़ित रोगी के उपचार हेतु मनोविश्लेषण (Psychoanalysis), सम्मोह (Hypnosis), संसूचन (Suggestion), साक्षात्कार, आघात-चिकित्सा (Shock Therapy) इत्यादी विभिन्न प्रविधियों का उपयोग किया जाता है।